राधा रानी कृपा कीजिए

ओ राधा रानी कृपा कीजिये,
आँचल मे छुपा लीजिये .....

पलकों के सिंहासन पे मैंने तुमको बिठाया है,
इस मन के अन्दर ही बरसाना बनाया है,
आके इसमें रहा कीजिये,
ओ राधा रानी कृपा कीजिये....

पहले थी व्यर्थ हुआ कई वार मेरा जीवन,
मैं छोड नही पाया मोह माया के बंधन,
अब बारी बचा लीजिये,
ओ राधा रानी कृपा कीजिये....

कोई पाप कर्म राधे मेरे सामने आये ना,
जब - जब तेरा भजन करू माया ये सताये ना,
सच्ची भक्ति का वर दीजिये,
ओ राधा रानी कृपा कीजिये....

ये दास तो पागल है जगता है रातों को,
तुम दिल पे मत लेना पागल की बातों को,
जो भी मन में है वो कीजिये,
ओ राधा रानी कृपा कीजिये....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/27127/title/radha-rani-kripa-kijiye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |